

प्रेषक,

ओम प्रकाश
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रशिक्षण, उत्तराखण्ड,
हल्द्वानी-नैनीताल।

प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक २२ सितम्बर, 2016

विषय: राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (यु0) निरंजनपुर (देहरादून) के क्लासरूम के निर्माण हेतु वित्तीय वर्ष 2016-17 में प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-847/XXVII(1)/2016, दिनांक 26 जुलाई, 2016, शासनादेश संख्या 122/XLI-1/15-29(प्रशि0)/2015 दिनांक 30.03.2015 एवं आपके पत्र संख्या: 10474/डीटीईयू/प्रशि0/सूचना/2016, दिनांक 25.07.2016 की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह करने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय उक्त निर्माण कार्य हेतु कार्यदायी संस्थान उत्तर प्रदेश निर्माण निगम लि0 इकाई-2 देहरादून द्वारा गठित आंगणन के सापेक्ष तकनीकी परीक्षणोपरान्त संस्तुति धनराशि रु 219.20 लाख {रु0 187.10 लाख सिविल कार्य + रु0 32.10 लाख (उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के अन्तर्गत कार्य)} में से अब तक अवमुक्त की जा चुकी धनराशि रु0 219.02 लाख के उपरान्त अवशेष धनराशि रु0 0.18 लाख के सापेक्ष कार्यदायी संस्थान द्वारा उपलब्ध कराये गये उपयोगिता प्रमाण पत्र में के आधार पर अवशेष धनराशि रु0 0.18 लाख (रु0 अट्ठारह हजार मात्र) की भी वित्तीय वर्ष 2016-17 में वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए नियमानुसार व्यय हेतु स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- यदि वर्तमान में स्वीकृत धनराशि को विभाग अथवा कार्यदायी संस्थान द्वारा कोषागार से आहरित कर बैंक खाते में रखा जाता है तो उस पर अर्जित ब्याज को यथासमय राजकोष/कोषागार की सुसंगत प्राप्ति शीर्षक में जमा किया जाना सुनिश्चित किया जाएगा।

3- शेष शर्तें/प्रतिबन्ध उक्त संदर्भित शासनादेश संख्या 122/XLI-1/15-29(प्रशि0)/2015 दिनांक 30.03.2015 के अनुसार यथावत लागू होंगे।

4- उक्त स्वीकृत धनराशि का 90% निर्माण कार्य को पूर्ण करने हेतु ही कार्यदायी संस्थान को प्रदान किया जाएगा तथा शेष 10% निर्माण कार्य पूर्ण होने के पश्चात् भवन के निरीक्षण हेतु गठित समिति की संस्तुति/सहमति तथा संबंधित प्रधानाचार्य द्वारा भवन को कब्जे में लिए जाने के उपरान्त ही कार्यदायी संस्थान को अवमुक्त किया जाना सुनिश्चित किया जाएगा।

5- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 में आय-व्ययक के 'अनुदान संख्या 16' के 'आयोजनागत/पूंजीगत' पक्ष के लेखाशीर्षक "4216-आवास पर पूंजीगत परिव्यय -80-सामान्य-आयोजनागत-001- निदेशन तथा प्रशासन-07-राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण

संस्थानों का सुदृढीकरण-00 के अन्तर्गत मानक मद "24-वृहद निर्माण कार्य" के नामे डाला जायेगा।

- 6- यह आदेश संख्या 183/XXVII-I/2012 दिनांक 28.03.2012 द्वारा विहित व्यवस्था के क्रम में www.cts.uk.gov.in से सॉफ्टवेयर के माध्यम से उपरोक्त स्वीकृति/बजट आवंटन हेतु निर्गत विशिष्ट नम्बर/अलॉटमेंट आई0डी0 S1512160111 के अन्तर्गत तथा वित्त विभाग के उक्त संदर्भित शासनादेश संख्या- 847/XXVII(1)/2016, दिनांक 26 जुलाई, 2016, के द्वारा प्राप्त निर्देशों के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(ओम प्रकाश)

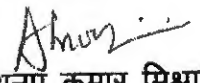
प्रमुख सचिव।

432
संख्या (1) XLI-(1)/15-29(प्रशि0)/2015 तददिनांक।

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून।
2. महालेखाकार, ऑडिट, उत्तराखण्ड, इन्दिरा नगर देहरादून।
3. जिलाधिकारी, देहरादून।
4. निदेशक कोषागार एवं वित्तीय सेवायें, उत्तराखण्ड देहरादून।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून।
6. वरिष्ठ वित्त अधिकारी, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, हल्द्वानी, नैनीताल।
7. प्रधानाचार्य, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, (यु0), निरंजनपुर, देहरादून।
8. बजट, राजकोष नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
9. वित्त(व्यय नियंत्रण) अनुभाग-5 उत्तराखण्ड शासन।
10. परियोजना प्रबन्धक, उ0प्र0 राजकीय निर्माण निगम लि0, इकाई-2 उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्वविद्यालय परिसर, हरवाला, देहरादून।
11. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(अनूप कुमार मिश्रा)
अनु सचिव।